पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने अन्त्योदय के प्रणेता पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयन्ती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का दर्शन समाज के अन्तिम पायदान के व्यक्ति को स्वावलम्बन के पथ पर अग्रसर करने की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों का हिस्सा : मुख्यमंत्री

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी का दर्शन और उनकी प्रेरणा पूरे देश के लिए एक आदर्श

विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सरकार ने देश में गरीब कल्याणकारी योजनाओं को अन्त्योदय की अवधारणा के अनुरूप प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा

अन्त्योदय की अवधारणा के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले 26 करोड़ परिवार आज सामान्य श्रेणी में आकर स्वावलम्बन के पथ पर अग्रसर

लखनऊ : 25 सितम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर अन्त्योदय के प्रणेता पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयन्ती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी ने भारत को भारत के अनुरूप एक नया दर्शन दिया। पं0 दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन एकात्म मानववाद का दर्शन है। यह दर्शन समाज के अन्तिम पायदान के व्यक्ति को स्वावलम्बन के पथ पर अग्रसर करने की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों का हिस्सा है। उनका दर्शन और उनकी प्रेरणा पूरे देश के लिए एक आदर्श बनी हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने देश में गरीब कल्याणकारी योजनाओं को अन्त्योदय की अवधारणा के अनुरूप प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा है। 04 करोड़ परिवारों को सिर ढकने के लिए छत, 12 करोड़ परिवारों के घर में एक–एक शौचालय, 10 करोड़ परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के निःशुल्क गैस कनेक्शन तथा 3.50 करोड़ परिवारों को निःशुल्क विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य किया गया है। देश में 80 करोड़ नागरिकों को निःशुल्क राशन की सुविधा का लाभ दिया जा रहा है। अन्त्योदय की इस अवधारणा को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने का परिणाम है कि गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले 26 करोड़ परिवार आज सामान्य श्रेणी में आकर स्वावलम्बन के पथ पर अग्रसर हुए हैं।

———————